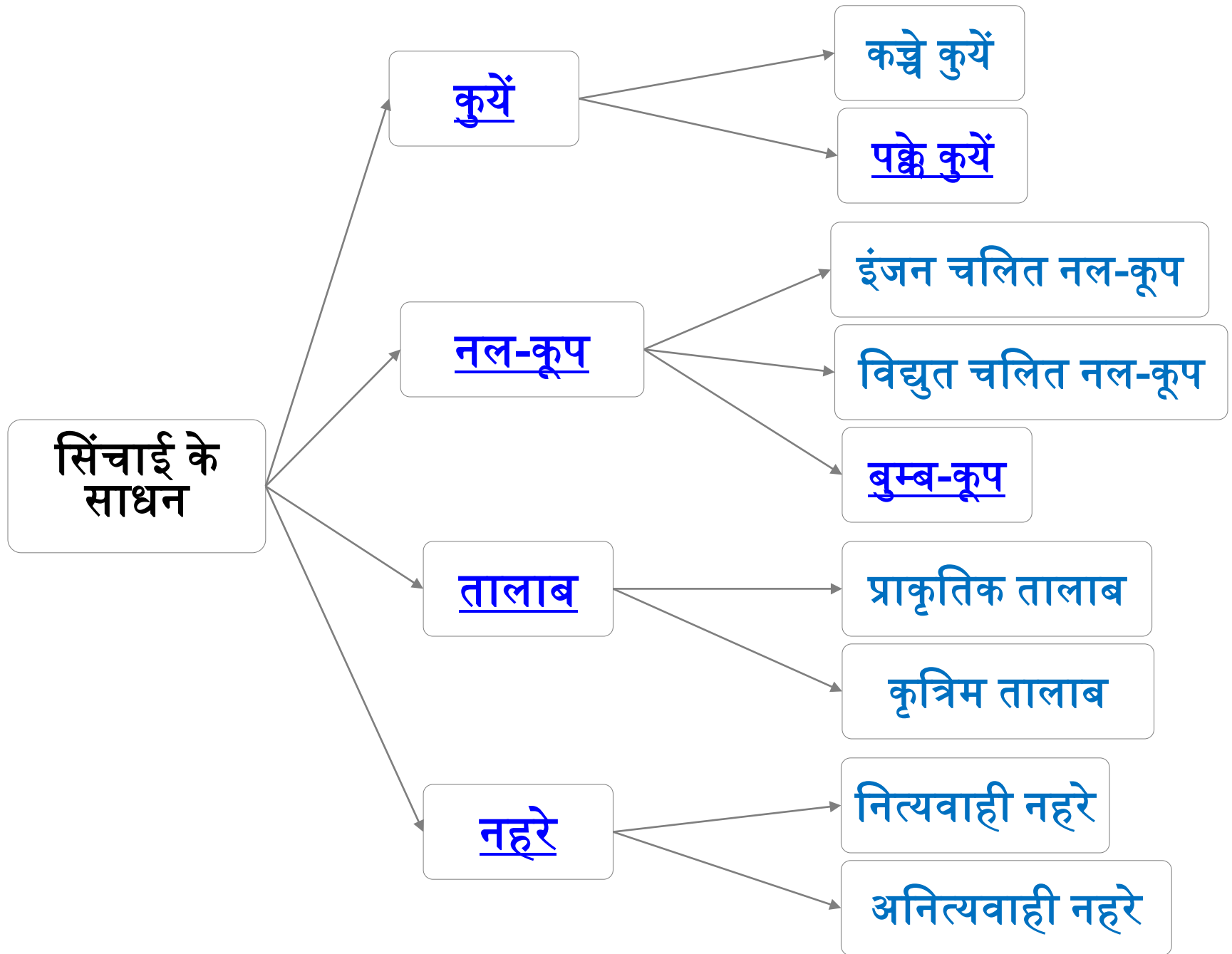


सिंचाई के साधन

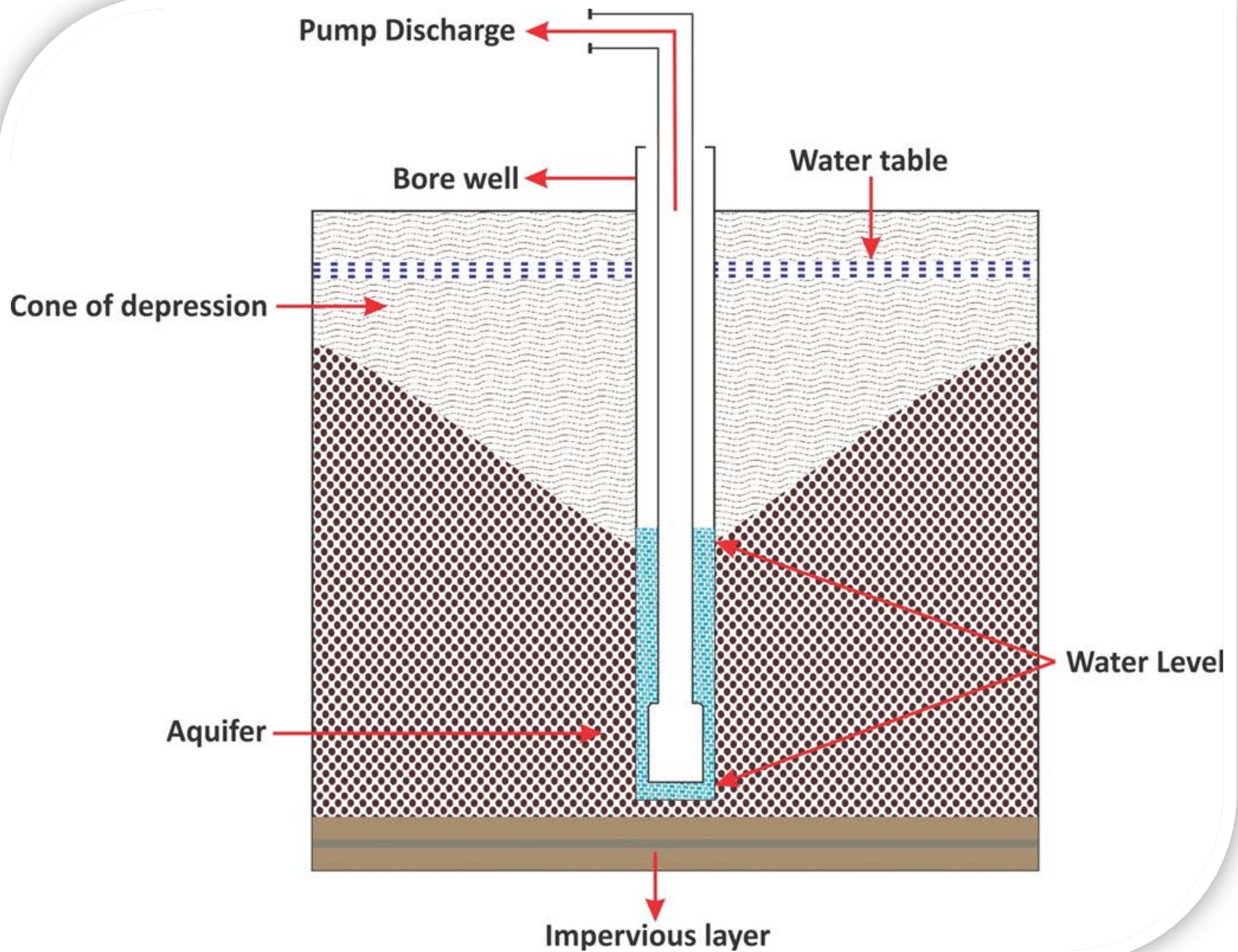
“सिंचाई की सुविधाओं के उपलब्ध न होने पर खेती  
एक जुए से ज्यादा और कुछ भी नहीं हो सकती ।”

- महात्मा गांधी





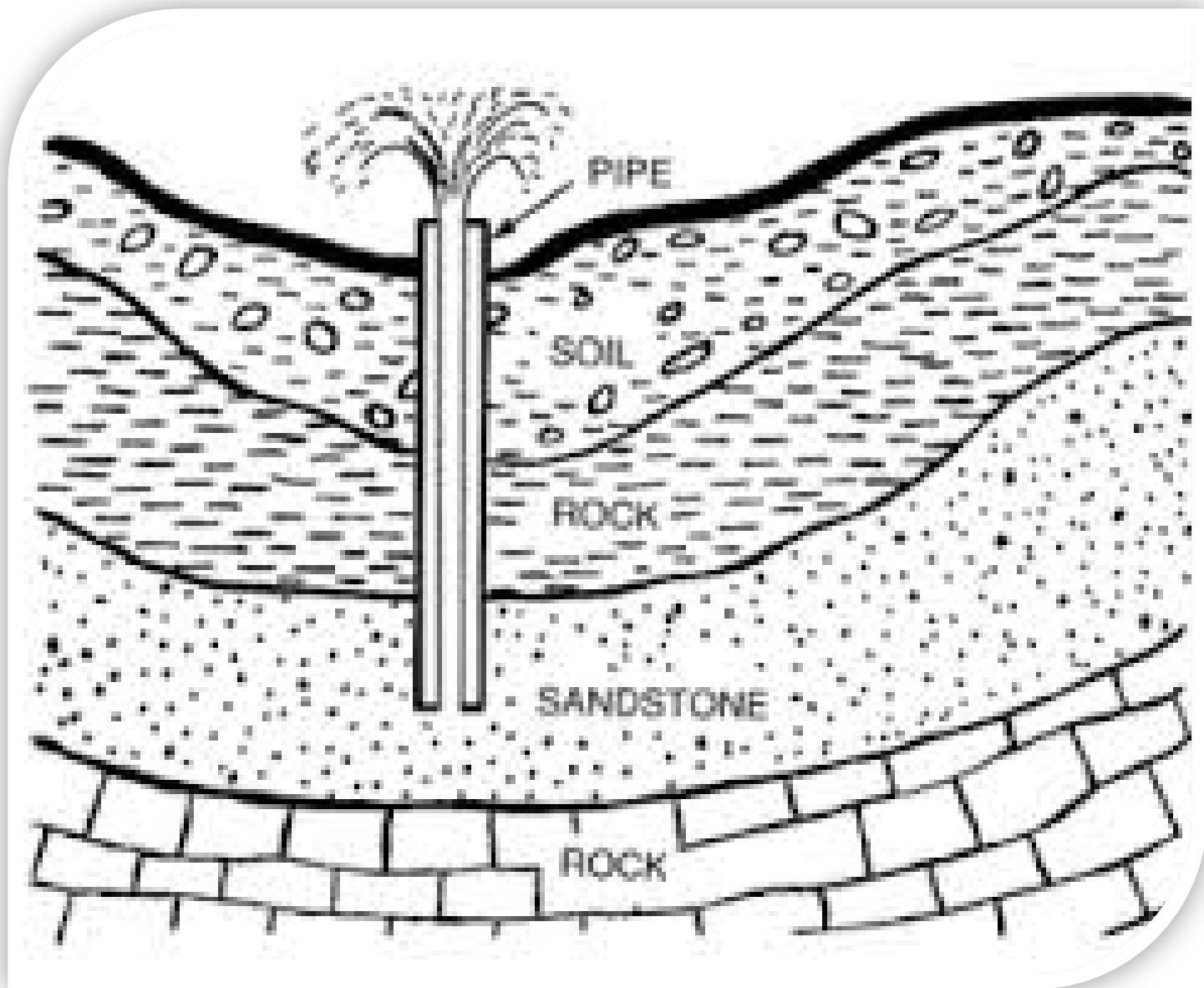
पक्का कुआँ







बुम्ब-कूप



बुम्ब-कूप



तालाब





नहर

धन्यवाद